घर-घर में युक्ति से बाप का परिचय देना
बाप का पैगाम देना है फर्ज़-अदाई पूरी करना
अच्छे -अच्छे पॉइंट्स नोट करने का शौंक रखना
नोट्स बना कर फिर समझाना
सत-धर्म की स्थापना के हम निमित्त बनते
स्वयं भगवान् हमें है पढ़ाते
माली बन काँटों को फूल बनाने की सेवा करना
बाप की परवरिश ले फिर उनके समान बनना
यथार्थ पुरुषार्थी सदा मोहब्बत में रहते मस्त
मेहनत से नही , वो तो बाप की गोदी में चलते
स्नेह की गोदी सर्वप्राप्तियों का अनुभव कराती
सदा खुशी, आंतरिक सुख व सर्वशक्तियों से उड़ाती
निश्चय का पक्का फाउंडेशन ,श्रेष्ठ जीवन अनुभव कराता

ॐ शांति!!!
मेरा बाबा!!!